

राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता (BBNJ) समझौता

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री जल क्षेत्रों में भारत के हितों की रक्षा हेतु एक नए कानून को लागू करने के लिए 12-सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो [राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता \(BBNJ\) समझौता \(हाई सीज ट्रीटी\)](#) के अनुरूप है।

राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता (BBNJ) समझौता क्या है?

- **परिचय:** राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता (BBNJ) समझौता या हाई सीज ट्रीटी [सामुद्रिक कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय \(UNCLOS\)](#) के अंतर्गत एक वधिक ढाँचा है, जिसका उद्देश्य महासागरों के पारस्थितिकीय स्वास्थ्य की रक्षा करना है।
 - वर्ष 2023 में स्वीकृत इसका लक्ष्य प्रदूषण को नियंत्रित करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा राष्ट्रीय सीमाओं से परे समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करना है।
- **संधिका दायरा:**
 - [समुद्री संरक्षित क्षेत्र \(MPA\)](#) की स्थापना करना, जो [राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्यजीव अभयारण्यों](#) की भाँति कार्य करेंगे, ताकि गतिविधियों को नियंत्रित कर महासागरीय पारस्थितिकी तंत्र का संरक्षण किया जा सके।
 - समुद्रतल खनन जैसी दोहन संबंधी गतिविधियों को वनियमिति करना तथा समुद्री संसाधनों एवं जीवों से होने वाले लाभ का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना।
 - प्रमुख महासागरीय परियोजनाओं के लिये [पर्यावरणीय प्रभाव आकलन \(EIA\)](#) अनिवार्य करना, भले ही वे राष्ट्रीय जल-सीमाओं के भीतर क्यों न संचालित हों, यदि वे उच्च समुद्री क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती हों।
 - [विकासशील देशों](#) को समुद्री प्रौद्योगिकियों और संसाधनों तक पहुँच उपलब्ध कराना, साथ ही [संरक्षण](#) को सुनिश्चित करना।
- **हस्ताक्षर और अनुमोदन:** अगस्त 2025 तक **140 से अधिक देशों** ने इस संधि पर हस्ताक्षर किये हैं और **55 देशों** ने इसका **अनुमोदन** किया है।
 - भारत ने वर्ष 2024 में इस समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, कति अभी इसका **अनुमोदन नहीं** किया है।
 - **हस्ताक्षर** किसी देश की संधि में सम्मिलित होने की मंशा को दर्शाता है, जबकि अनुमोदन किसी देश को वधिक रूप से संधि से बांधता है, और इसकी प्रक्रिया विभिन्न देशों में भिन्न होती है।

UN हाई सी ट्रीटी

"BBNJ संधि" जिसे "ट्रीटी ऑफ द हाई सी" के रूप में भी जाना जाता है,

UNCLOS के ढाँचे के तहत राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों की समुद्री जैवविविधता के संरक्षण और सतत उपयोग पर एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है। पहली बार, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने उच्च समुद्रों में जैव विविधता की रक्षा के लिये एक एकीकृत (कानूनी रूप से बाध्यकारी) संधि पर सहमति व्यक्त की है

हाई सी
(High Seas-HS)

संपूर्ण पृथ्वी के सभी खारे जल के वे निकाय जो किसी राज्य के क्षेत्रीय समुद्र/आंतरिक जल का हिस्सा नहीं हैं

संधि की पृष्ठभूमि

हाई सी में समुद्री जीवन की रक्षा के लिये एक अद्यतन ढाँचे की मांग, लगभग 20 साल पुरानी है

HS की सुरक्षा की आवश्यकता क्यों

- वर्तमान में केवल 1.2% HSs संरक्षित हैं
- विलुप्त होने के जोखिम में वैश्विक समुद्री प्रजातियों का 10%
- वाणिज्यिक मछली पकड़ने, खनन, अम्लीकरण, प्रदूषण के कारण खतरे में वृद्धि

महासागर संरक्षण पर अंतिम अंतर्राष्ट्रीय समझौता 1982 में हस्ताक्षरित था

यह संधि UNCLOS के तहत तीसरा "कार्यान्वयन समझौता" है

प्रमुख बिंदु

- महासागरीय जीवन के संरक्षण का प्रबंधन करने और हाई सी में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों को स्थापित करने के लिये एक नई संस्था का निर्माण
- महासागरों में वाणिज्यिक गतिविधियों के लिये EIAs के संचालन हेतु ज़मीनी नियमों का निर्माण

प्रमुख देश

यूरोपीय संघ, यूएस, यूके और चीन (समझौते की ब्रोकरिंग में)

महत्त्व

- UN CBD COP15 पर 30x30 लक्ष्य सेट प्राप्त करना
- महासागर के 1/3 (+ तटीय समुदायों की आजीविका) का कानूनी संरक्षण
- पृथ्वी की सतह पर >40% लुप्तप्राय प्रजातियों/आवासों की व्यापक सुरक्षा

रोडब्लॉक

विकसित/विकासशील राष्ट्रों के बीच समुद्री आनुवंशिक संसाधन (MGR) और अंतिम लाभ कैसे साझा करें

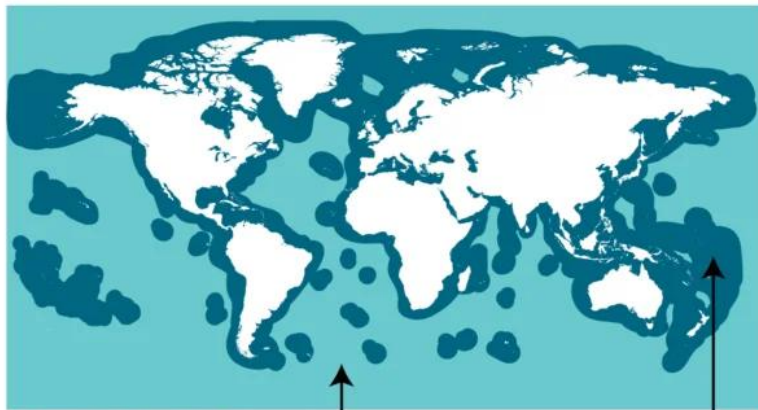


महासागरीय पारिस्थितिक तंत्र हमारे सांस लेने हेतु आवश्यक लगभग आधी ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, ग्रह के 95% बायोस्फीयर का प्रतिनिधित्व करते हैं और CO₂ (दुनिया के सबसे बड़े कार्बन सिंक) को अवशोषित करते हैं

हाई सीज़

- परिचय:** हाई सीज़ से आशय उन क्षेत्रों से है जो किसी भी देश के राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे स्थिति होते हैं।
 - सामान्यतः राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार किसी देश के तटीय क्षेत्र से 200 समुद्री मील (370 कि.मी.) तक वसतिरति होता है, जिसे अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) कहा जाता है।
 - इन जल क्षेत्रों में संसाधन प्रबंधन पर किसी भी देश का क्षेत्राधिकार या उत्तरदायित्व नहीं होता।
 - वर्तमान में हाई सीज़ का केवल लगभग 1% ही संरक्षित है।
- महत्त्व:** उच्च समुद्र महासागरों का 64% और पृथ्वी की सतह का 50% घेरते हैं और समुद्री जैवविविधता, जलवायु वनियमन, कार्बन अवशोषण, सौर ऊर्जा संग्रहण और ताप वितरण के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
 - वे मुख्य संसाधन प्रदान करते हैं जैसे समुद्री भोजन, कच्चे माल, आनुवंशिक संसाधन और औषधीय यौगिक।

WHAT ARE THE HIGH SEAS?



THE HIGH SEAS ARE:

64% of the world's oceans

45% of the earth's surface

The High Seas
Exclusive Economic Zones (EEZ)



Countries have exclusive rights to their EEZ. The high seas are international waters.

संयुक्त राष्ट्र समुद्र वधिसमझौता (UNCLOS)

- UNCLOS, जिसे समुद्र कानून भी कहा जाता है, 1982 में अपनाया और हस्ताक्षरति एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसने 1958 की जनेवा कन्वेंशन की जगह ली।
- यह समुद्री और नौसैनिकी गतिविधियों के लिये वधिकि ढाँचा प्रदान करती है।

UNCLOS

"महासागरों का संविधान" के रूप में भी जाना जाता है, यह महासागरों और समुद्री क्षेत्रों में की जाने वाली गतिविधियों के लिये कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।



अंतर्राष्ट्रीय सागर तल प्राधिकरण (ISA)

ISA को गहरे समुद्री क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों से समुद्री पर्यावरण की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।



अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण

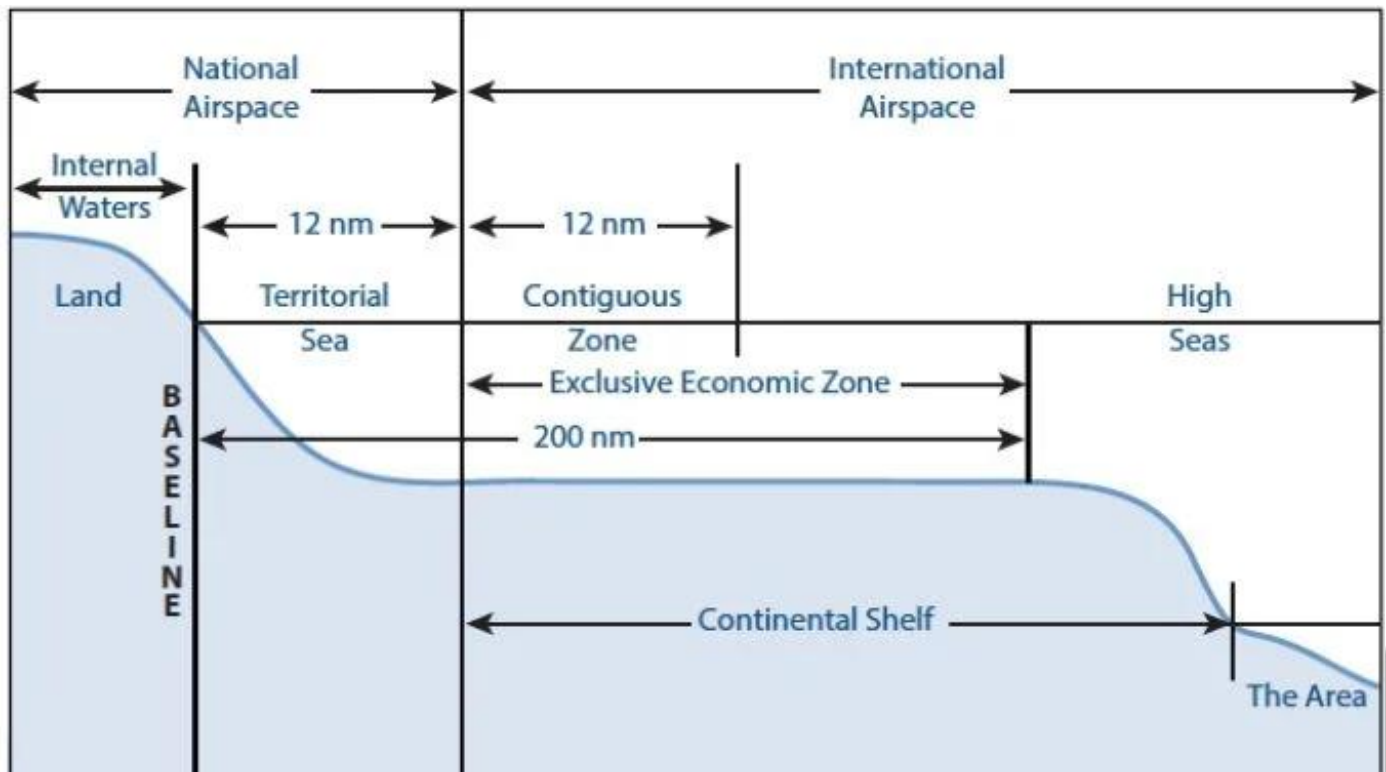
यह एक स्वतंत्र न्यायिक निकाय है, और सम्मेलन की व्याख्या से संबंधित विवादों पर अधिकार क्षेत्र रखता है।



महाद्वीपीय शelf की सीमाओं पर आयोग

यह आयोग महाद्वीपीय शelf की बाहरी सीमाओं की स्थापना में सहायता करता है, जो आधार रेखा से 200 समुद्री मील से परे स्थित होती हैं।

- यह महासागर क्षेत्र को 5 क्षेत्रों में विभाजित करता है - आंतरिक जल, क्षेत्रीय समुद्र, सन्निहित क्षेत्र, विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) और उच्च समुद्र।



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

????????

प्रश्न. 'ट्रांस-पैसफिक पार्टनरशिप' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. यह चीन और रूस को छोड़कर प्रशांत महासागर तटीय सभी देशों के मध्य एक समझौता है।
2. यह केवल तटवर्ती सुरक्षा के प्रयोजन से किया गया सामरिक गठबंधन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

????

प्रश्न. दक्षिण चीन सागर के मामले में समुद्री भू-भागीय विवाद और बढ़ता तनाव समस्त क्षेत्र में नौपरविहन और ऊपरी उड़ान की स्वतंत्रता को सुनिश्चित

करने के लिये समुद्री सुरक्षा की आवश्यकता की अभिवृद्धि करते हैं। इस संदर्भ में भारत तथा चीन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (2014)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/biodiversity-beyond-national-jurisdiction-bbnj-agreement>

